Arunachal Pradesh Commemorative Postage Stamp Series

Flora-Fauna of Arunachal Pradesh

Mishmi Takin: is a rare and unique animal found in high altitude regions of Arunachal Pradesh above 2500m elevation. It has a strong body, thick golden-brown coat, and curved horns. This endangered animal is protected in places like Namdapha National Park, Mouling National, Park, Dibang Wildlife Sanctuary and other wildlife areas of Arunachal Pradesh.

Great Hornbill: is one of the largest among the 5 species of Hornbills found in Arunachal. A majestic bird which lives in the dense forests of the state and plays an important role in spreading seeds. The bird is easily recognized by its large yellow beak and casque on top of its head. Great Hornbills feed mainly on fruits, along with insects and small animals. They are protected in wildlife sanctuaries and national parks of Arunachal Pradesh.

Red Panda: is a rare and beautiful animal found in the forests of Arunachal Pradesh. It has reddish-brown fur, a bushy tail, and a white face. The Red Panda lives in cool mountain forests and feeds mainly on bamboo leaves. It is a shy and tree-dwelling animal that is active mostly during the morning and evening. It is an endangered species and is protected in Arunachal Pradesh's wildlife sanctuaries, national parks and other forest areas.

Hoolock Gibbon: is the only ape found in India and lives in the forests of Arunachal Pradesh. It is also the State animal of Arunachal Pradesh. The Hoolock Gibbon is known for its long arms and its ability to swing swiftly from tree to tree. Hoolock Gibbons live in family groups and communicate through loud, melodious calls. They feed mainly on fruits, leaves and flowers found in the forest. The Hoolock Gibbon is an endangered species and is protected to conserve Arunachal Pradesh's rich wildlife heritage.

Foxtail Orchid: is the state flower of Arunachal Pradesh. It is known for its long, hanging clusters of beautiful pink and white flowers. This orchid grows on trees in warm and humid forests. The flowers have a pleasant fragrance and bloom mainly during spring and summer. The Foxtail Orchid adds beauty to the forests and is an important part of Arunachal Pradesh's natural heritage.

Clouded Leopard: is a rare and beautiful wild cat found in the forests of Arunachal Pradesh. It gets its name from the large cloud-shaped markings on its fur. This animal is an excellent climber and spends much of its time in trees. Clouded leopards hunt small animals, birds, and monkeys for food. They are endangered and protected to help conserve the rich biodiversity of Arunachal Pradesh. The Clouded Leopard is known for having some of the longest canine teeth relative to its body size among wild cats.

The Department of Posts is pleased to issue a Souvenir Sheet on Flora–Fauna of Arunachal Pradesh, highlighting the extraordinary natural heritage and unparalleled biodiversity of India's easternmost state.

Credits:

1. Sankha Samanta- For stamps, First Day Cover, Brochure, Souvenir Sheet, and Cancellation Cachet.
2. Department of Art and Culture, Arunachal Pradesh – for reference images and text.

अरुणाचल प्रदेश स्मारक डाक टिकट श्रृंखला

अरुणाचल प्रदेश की वनस्पतियां और जीव–जंतु

मिश्मी ताकिन : मिश्मी ताकिन अरुणाचल प्रदेश में 2500 मीटर से अधिक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाने वाला दुर्लभ और अनोखा जन्तु है। मजबूत शरीर, मोटे सुनहरे–भूरे बालों और घुमावदार सींग वाला यह जानवर 'नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान', 'मौलिंग राष्ट्रीय उद्यान', 'दिबांग वन्यजीव अभयारण्य' के अलावा अरुणाचल प्रदेश के अन्य वन्यजीव उद्यानों में पाया जाता है। लुप्तप्राय होने के कारण इसे वहाँ संरक्षित जंतुओं में शामिल किया गया है।

महा धनेश : यह अरुणाचल में पाए जाने वाले धनेश पक्षी की पाँच प्रजातियों में से एक है। यह शानदार पक्षी इस राज्य के गहन वनों का निवासी है और वहाँ बीजों के विस्फारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे इसकी बड़ी पीली चोंच और सिर के ऊपर बने शिरस्त्राण (टोप) से आसानी से पहचाना जा सकता है। महा धनेश पक्षी का मुख्य आहार फल है, इसके अलावा ये छोटे–मोटे कीड़े–मकोड़े और छोटे जंतुओं का भी भक्षण करते हैं। यह पक्षी अरुणाचल प्रदेश के वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों में संरक्षित प्रजाति के जीवों में शामिल है।

बालू बिल्ली : अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में पाया जाने वाला यह एक दुर्लभ और मनोहारी जन्तु है। लाल–भूरे बालों, झाड़ीनुमा पूंछ और श्वेत चेहरे वाला लाल–पांडा प्रायः शीत पर्वतीय वनों में निवास करता है। इसका मुख्य आहार बांस के पत्ते हैं। पेड़ों पर रहने वाला यह जीव अत्यंत शर्मीला होता है, और अधिकांशतः सुबह तथा शाम के समय सक्रिय रहता है। यह एक लुप्तप्राय प्रजाति है और अरुणाचल प्रदेश के वन्यजीव अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों और अन्य वन्य क्षेत्रों में संरक्षित है।

उलुक : अरुणाचल प्रदेश के घने जंगलों में रहने वाला 'उलुक' भारत में पाया जाने वाला एकमात्र वनमानुष (एप) है। यह अरुणाचल प्रदेश का राज्य–पशु भी है। उलुक गिब्बन अपनी लंबी भुजाओं और एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर तेजी से छलांग लगाने की क्षमता के लिए जाना जाता है। उलुक प्रायः पारिवारिक समूहों में निवास करते हैं और ये एक दूसरे को जोर से, मधुरता से पुकारकर वार्तालाप करते हैं। मुख्य रूप से घने वन्य क्षेत्रों के ये रहवासी फल–फूल और पत्तियों के आहार पर निर्भर रहते हैं। अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध वन्यजीव विरासत के हिस्सा 'उलुक' एक लुप्तप्राय प्रजाति है और वहाँ के संरक्षित वन्यजीवों में शामिल है।

द्रौपदी माला : अरुणाचल प्रदेश का राज्य–पुष्प द्रौपदी माला अपने सुंदर गुलाबी और सफेद फूलों के लंबे, लटकते गुच्छों के लिए प्रसिद्ध है। ये गुच्छेदार फूल प्रायः गर्म और आर्द्र वनों में उगते हैं। मुख्य रूप से वसंत और गर्मियों के मौसम में खिलने वाले इन फूलों से निरंतर मन–मोहक सुगंध निसृत होती रहती है। वनों की अद्भुत सुंदरता को द्विगुणित कर देने वाला 'द्रौपदी माला' अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध प्राकृतिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

धूमिल तेंदुआ : यह अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में पाया जाने वाला एक दुर्लभ और सुंदर वन्य मार्जार है। इसे यह नाम इसके शरीर पर बनी बादलाकृतियों के कारण मिला है। दुर्गम पहाड़ियों पर आसानी से चढ़ जाने वाला यह जानवर अधिकांशतः पेड़ों पर निवास करता है। छोटे–मोटे जानवर, पक्षी और बंदर आदि इसके प्रमुख आहार हैं। अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता का अभिन्न अंग माने जाने वाला यह लुप्तप्राय प्राणी वहाँ की संरक्षित प्रजातियों में शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि क्लाउडेड लेपर्ड के रदनक दन्त, वन्य मार्जारों की इस समस्त प्रजाति में, इनके शरीर के आकार के सापेक्ष सबसे लंबे होते हैं।

डाक विभाग अरुणाचल प्रदेश की वनस्पतियां और जीव–जंतु पर एक सोविनियर शीट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। यह शीट भारत के सबसे पूर्वी राज्य की अद्भुत प्राकृतिक विरासत और बेजोड़ जैव–विविधता को उजागर करती है।

आभार:

1. शंख सामंत – डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण, विवरणिका, सोविनियर शीट और विरूपण कैशे
2. कला और संस्कृति विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार– संदर्भ चित्रों और पाठ के लिए।

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे (6)
Denomination	:	500 p (6)
मुद्रित सोविनियर शीट मूल्य	:	3000 पैसे
Souvenir Sheet Denomitnation	:	3000 p
मुद्रित सोविनियर शीट्स	:	212000
Souvenir Sheets Printed	:	212000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00